DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

10 जनवरी 2023

जोशीमठ संकट

संदर्भ :-

एक हफ्ते बाद उत्तराखंड के जोशीमठ की कई सड़कों और सैकड़ों घरों में दरारें आने के बाद अधिकारियों ने इसे भूस्खलन और सब्सिडेंस हिट जोन घोषित किया है।

मुख्य विचार:

- केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, उत्तराखंड राज्य के अधिकारियों और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (NIH) के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा की गई।
- करीब 68 परिवारों को अस्थायी राहत केंद्रों में पहुंचाया गया है और करीब 90 और परिवारों को जल्द ही निकाला जाएगा।

भूमिस्खलन क्या है?

- राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) के अनुसार, भूमिस्खलन "भूमिगत संचलन के कारण भूमि का निमंजन " है।
- यह विभिन्न कारणों से हो सकता है, जैसे खनन गतिविधियों के साथ-साथ पानी, तेल, या प्राकृतिक संसाधनों को हटाना।
- भूकंप, मिट्टी का कटाव, और मिट्टी का संघनन भी अवतलन के कुछ प्रसिद्ध कारण हैं।
- यह घटना "बहुत बड़े क्षेत्रों जैसे पूरे राज्यों या प्रांतों, या बहुत छोटे क्षेत्रों में हो सकती है।

जोशीमठ के धंसने के क्या कारण हो सकते हैं?

- विशेषज्ञों का सुझाव है कि यह घटना अनियोजित निर्माण, अधिक आबादी, और पानी के प्राकृतिक प्रवाह और पनबिजली गतिविधियों में बाधा के कारण हो सकती है।
- इतना ही नहीं, यह क्षेत्र एक भूकंपीय क्षेत्र है, जो इसे बार-बार भूकंप का खतरा बनाता है।
- एमसी मिश्रा समिति की रिपोर्ट में पहली बार 50 साल के आसपास क्षेत्र में इस तरह की घटना होने की संभावना पर प्रकाश डाला गया था।
- जोशीमठ शहर एक प्राचीन भूस्खलन सामग्री पर बनाया गया है जिसका अर्थ है कि यह रेत और पत्थर के जमाव पर टिका है, न कि चट्टान पर, जिसकी भार वहन क्षमता अधिक नहीं है।
- यह क्षेत्र को लगातार बढ़ते बुनियादी ढांचे और आबादी के लिए बेहद संवेदनशील बनाता है।
- निवासियों ने इस घटना के लिए एनटीपीसी के तपोवन विष्णुगढ़ हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट को भी जिम्मेदार ठहराया है।
- उनका आरोप है कि सुरंग में "एक जलभृत से पानी रिसता था, जिससे जोशीमठ में जल स्रोत सूख गए।"
- रिपोर्टों ने इंगित किया है कि जोशीमठ में अवतलन एक भौगोलिक दोष के पुनर्सक्रियन के कारण हो सकता है।
- भौगोलिक दोष को चट्टान के दो ब्लॉकों के बीच फ्रैक्चर या फ्रैक्चर के क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया गया है, जहां भारतीय प्लेट हिमालय के साथ यूरेशियन प्लेट के नीचे धकेल दी गई है।

दशकीय जनगणना

सन्दर्भ :-

हाल ही में, अधिकारियों ने कहा कि दशकीय जनगणना करने की कवायद को 30 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

प्रमुख बिंदु :-

- जनगणना के आवास सूचीकरण चरण और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR) को अद्यतन करने की कवायद 1 अप्रैल से 30 सितंबर, 2020 तक देश भर में होने वाली थी परन्तु COVID-19 के कारण स्थगित कर दी गई थी।
- मानदंडों के अनुसार, जिला, उप-जिलों, तहसीलों, तालुकों और पुलिस स्टेशनों जैसी प्रशासनिक इकाइयों की सीमा को स्थिर करने के तीन महीने बाद ही जनगणना की जा सकती है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- भारत की पहली पूर्ण जनगणना 1830 में ढाका (अब ढाका) में हेनरी वाल्टर द्वारा आयोजित की गई थी।
- यह 1872 में ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड मेयो ने हर 10 साल में जनगणना करने का आदेश दिया।
- पहली समकालिक जनगणना 17 फरवरी, 1881 को ब्रिटिश शासन के तहत डब्ल्यू.सी. द्वारा की गई थी। प्लोडेन को भारत का जनगणना आयुक्त बनाया गया।

- भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त के कार्यालय ने सूचित किया कि प्रशासनिक सीमाओं को स्थिर करने की तिथि 30 जून तक बढ़ा है।

जनगणना के बारे में

- जनगणना पिछले एक दशक में देश की प्रगति की समीक्षा, सरकार की चल रही योजनाओं की निगरानी और भविष्य की योजना बनाने का आधार है।
- जनगणना निम्नलिखित के विषय में विस्तृत और प्रामाणिक जानकारी प्रदान करती है।
  - जनसांख्यिकी।
  - आर्थिक गतिविधि।
  - साक्षरता और शिक्षा।
  - आवास और घरेलू सुविधाएं।
  - शहरीकरण।
  - प्रजनन क्षमता और मृत्यु दर।
  - अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति,
  - भाषा।
  - धर्म।
  - प्रवासन, विकलांगता और कई अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक और जनसांख्यिकीय डेटा।
  - भारत की दशकीय जनगणना अब तक 15 बार आयोजित की गई है।

· नोडल मंत्रालय

- 1949 के बाद से, यह गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तहत भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त द्वारा आयोजित किया गया है।

विधिक समर्थन

- 1951 से अब तक की सभी जनगणनाएं 1948 के भारतीय जनगणना अधिनियम के तहत की गईं।
- जनसंख्या जनगणना भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत संघ का विषय है।

सूचना की गोपनीयता

- जनसंख्या की जनगणना के दौरान एकत्र की गई जानकारी इतनी गोपनीय होती है कि यह न्यायालयों हेतु भी सुलभ नहीं होती है।
- जनगणना अधिनियम, 1948 द्वारा गोपनीयता की गारंटी दी गई है।
- पिछली जनगणना 2011 में हुई थी।
- 2011 में पहली बार बायोमीट्रिक जानकारी एकत्र की गई थी।
- 16वीं दशकीय जनगणना देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी।

संक्षिप्त सुर्खियां

83वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन

संदर्भ

उपराष्ट्रपति (राज्यसभा के सभापति) 11 जनवरी, 2023 को जयपुर में 83वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे।

मुख्य विशेषताएं:

- अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन (AIPOC) विधानमंडलों का सर्वोच्च निकाय है। यह 1921 में आरम्भ हुआ था तथा 2021 में अपने सौ साल पूरे किए।
- इसका पहला सम्मेलन 1921 में शिमला में हुआ था।
- आगामी 83वें सत्र में समकालीन प्रासंगिकता के निम्नलिखित विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा
  - विधानमंडलों की दैनंदिन चर्चा तथा प्रक्रिया -
  - लोकतंत्र की जननी के रूप में जी-20 में भारत का नेतृत्व।
  - संसद और विधायिका को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और उत्पादक बनाने की आवश्यकता।
  - डिजिटल संसद के साथ राज्य विधानसभाओं का एकीकरण।

संविधान की भावना के अनुसार विधानमंडल और न्यायपालिका के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता है।

	लोकसभा अध्यक्ष, राजस्थान के मुख्यमंत्री, राज्यसभा के उपसभापति और राज्यों के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में भाग लेंगे।
हिमालयी ग्रिफॉन गिद्ध 	**प्रसंग** कानपुर देहात , उत्तर प्रदेश के निवासियों के एक समूह ने एक दुर्लभ हिमालयन ग्रिफॉन गिद्ध को पकड़ा है। **हिमालयी ग्रिफॉन गिद्ध के बारे में:** • हिमालयी गिद्ध (जिप्स हिमालयेंसिस) मध्य एशिया के ऊपरी इलाकों में पाए जाते हैं, जो पश्चिम में कजाकिस्तान और अफगानिस्तान से लेकर पूर्व में पश्चिमी चीन और मंगोलिया तक फैले हुए हैं। • हिमालयी गिद्धों को प्रकृति का लोकल स्कैवेंजर माना जाता है। • तिब्बती बौद्ध संस्कृति में हिमालयी गिद्धों का अत्यधिक सम्मान किया जाता है। यह सदियों पुरानी आकाश दफन परंपरा में एक अनूठी भूमिका निभा रहा है। • IUCN लाल सूची: नियर थ्रेटेन्ड • भारत में गिद्धों की कुल नौ प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से छह प्रजातिया (white–rumped vulture, Indian vulture, slender-billed vulture, red-headed vulture, bearded vulture and Egyptian vulture) भारत की निवासी प्रजातियां हैं वहीँ तीन प्रजातियां (सिनेरियस गिद्ध, ग्रिफॉन गिद्ध और हिमालयी गिद्ध) प्रवासी हैं।
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 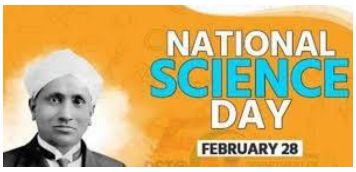	**संदर्भ :-** केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर, दिल्ली में "ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल गुड " शीर्षक से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का अनावरण किया। **मुख्य विशेषताएं:** • राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (NSD) हर साल 28 फरवरी को 'रमन प्रभाव' की खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। • भारत सरकार ने 1986 में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (NSD) के रूप में नामित किया। • इस दिन सर सी.वी. रमन ने 'रमन प्रभाव' की खोज की घोषणा की जिसके लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। • इस अवसर पर देश भर में थीम आधारित विज्ञान संचार गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। • ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल गुड विषय को वैश्विक संदर्भ में ऐसे वैज्ञानिक मुद्दे जो विश्व कल्याण हेतु लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं , की सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के उद्देश्य से चुना गया है।
संपत्ति का मुद्रीकरण 	**सन्दर्भ** ▪ अधिकारियों ने संकेत दिया कि , वित्त वर्ष 2023 में राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (NMP) के लक्ष्य , राजस्व और निवेश में 1.62 ट्रिलियन रुपये उत्पन्न करने लक्ष्य में लगभग 50,000 करोड़ रुपये की कमी हो सकती है। **मुख्य विशेषताएं:** • पहले वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने के बाद, केंद्र की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) वित्तीय वर्ष 23 में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़े अंतर से चूक सकती है क्योंकि रेलवे, दूरसंचार और पेट्रोलियम क्षेत्र अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पाए हैं। • ध्यातव्य है कि पिछले वर्ष 88,200 रुपये के लक्ष्य के मुकाबले मुद्रीकरण मार्ग के माध्यम से लगभग 1

	ट्रिलियन रुपये की राशि जुटाई गई थी। **संपत्ति मुद्रीकरण क्या है:?** • परिसंपत्ति मुद्रीकरण में अन्यथा अप्रयुक्त या कम उपयोग की गई सार्वजनिक संपत्तियों के मूल्य को अनलॉक करके राजस्व के नए स्रोतों का निर्माण शामिल है। • यह नए बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में पूंजीगत व्यय के लिए आय का उपयोग करने के उद्देश्य से उन्हें निजी क्षेत्र के भागीदारों को निश्चित शर्तों के लिए पट्टे पर देकर किया जाता है। • मुख्य संपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए नीतिगत ढांचे की तीन प्रमुख अनिवार्यताएं हैं। ▪ लेनदेन की अवधि के अंत में सरकार को वापस सौंपी जा रही संपत्ति के साथ 'अधिकार' का मुद्रीकरण किया जा रहा है न कि 'स्वामित्व' का। ▪ ब्राउनफील्ड डी-जोखिम वाली संपत्ति में स्थिर राजस्व । ▪ सख्त KPI के साथ परिभाषित संविदात्मक ढांचे के तहत संरचित साझेदारी और प्रदर्शन मानक।
अफ्रीकी स्वाइन बुखार	**प्रसंग** मध्य प्रदेश के दमोह के जिला प्रशासन ने पिछले दो दिनों में इलाके में अफ्रीकन स्वाइन फीवर के संभावित प्रसार से रोकथाम करने हेतु 700 सूअरों को मार डाला है। **मुख्य विशेषताएं:** • ध्यातव्य है कि 2021 में, नागालैंड, मिजोरम और मणिपुर के पूर्वोत्तर राज्य इस बीमारी से व्यापक रूप से प्रभावित हुए थे। • तथा दिसंबर 2022 में, केरल, असम और मणिपुर में मामलों की पुष्टि हुई। **अफ्रीकी स्वाइन बुखार:** • अफ्रीकन स्वाइन फीवर एक वायरल बीमारी है जो सूअरों को व्यापक रूप से प्रभावित करती है। इस बीमारी में मृत्यु दर बहुत अधिक होती है। • यह Asfarviridae परिवार के डीएनए वायरस के कारण होता है। • यदयपि यह उप-सहारा अफ्रीका के लिए स्थानिक है लेकिन एशिया और यूरोप सहित दुनिया के कई अन्य क्षेत्रों में फैल गया है। • हालाँकि मनुष्यों पर इसके प्रभाव की पुष्टि नहीं की गई है। • इसके संक्रमण से बचाव हेतु के लिए अभी तक कोई इलाज या एहतियात उपलब्ध नहीं है। **लक्षण** ▪ तीव्र रूपों की विशेषता तेज बुखार, अवसाद, अरुचि और भूख न लगना है, ▪ त्वचा में रक्तस्राव), गर्भवती मादाओं में गर्भपात, सायनोसिस, उल्टी, दस्त। ▪ इसमें मृत्यु दर 100% तक हो सकती है। **संचरण के मार्ग** ▪ घरेलू या जंगली संक्रमित सूअरों के बीच सीधा संपर्क। ▪ वायरस से दूषित सामग्री का अंतर्ग्रहण।

	▪ दूषित फ़ोमाइट्स (जैसे कपड़े, जूते या वाहन) से संपर्क। ▪ जैविक वैक्टर के काटने (जीनस ऑर्निथोडोरोस के नरम टिक्स),
स्प्रिंट' पहल 	**प्रसंग** हाल ही में, भारतीय नौसेना ने सागर डिफेंस इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ 'स्प्रिंट' पहल के तहत सशस्त्र स्वायत्त नावों को प्राप्त करने के लिए एक समझौता किया है। **मुख्य विशेषताएं:** • जुलाई 2022 में नई दिल्ली में नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण संगठन (NIIO) सेमिनार 'स्वावलम्बन' के दौरान भारत के प्रधान मंत्री द्वारा स्प्रिंट पहल का अनावरण किया गया था। • NIIO, डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन (DIO) के साथ मिलकर भारतीय नौसेना में कम से कम 75 नई स्वदेशी तकनीकों/उत्पादों को शामिल करने का लक्ष्य रखता है। इस सहयोगी पहल को SPRINT नाम दिया गया है। ▪ इसका उद्देश्य घरेलू द्वारा स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास और उपयोग को बढ़ावा देना है
आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों के प्रदर्शन को मापने के लिए एक नई प्रणाली	**सन्दर्भ :-** हाल ही में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY) योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों के प्रदर्शन को मापने और ग्रेड देने के लिए एक नई प्रणाली शुरू की है। **मुख्य विशेषताएं:** **मौजूदा प्रणाली** ▪ परंपरागत रूप से, भुगतानकर्ता के दृष्टिकोण से, स्वास्थ्य सेवा मॉडल को वितरित सेवाओं की मात्रा पर ध्यान केंद्रित किया गया था , जहां प्रदान की गई सेवाओं की संख्या के आधार पर केस-आधारित भुगतान किया जाता है। **नई प्रणाली** ▪ नई पहल 'मूल्य-आधारित देखभाल' की अवधारणा पर आधारित होगी जहाँ भुगतान परिणाम आधारित होगा और प्रदान किए गए उपचार की गुणवत्ता के अनुसार प्रदाताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। ▪ नए मॉडल के तहत, रोगियों को उनके स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करने के लिए प्रदाताओं को पुरस्कृत किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप लंबी अवधि में जनसंख्या में बीमारी के प्रभाव को कम किया जा सकेगा। **उद्देश्य** रोगी केंद्रित सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को प्रोत्साहित करना और प्रोत्साहित करना।
पानी से प्रदूषक हटाने की नई सामग्री	**प्रसंग** हाल ही में, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (IISER), पुणे की एक टीम ने एक नई सामग्री विकसित की जो पानी से प्रदूषकों को हटाती है। **मुख्य विशेषताएं:** • वे एक कस्टम-डिज़ाइन अद्वितीय आणविक स्पंज जैसी सामग्री - मैक्रो/माइक्रोपोरस आयनिक कार्बनिक ढांचे से निर्मित हैं जो भयावह दूषित पदार्थों को सोख कर प्रदूषित पानी को तेजी से साफ कर सकता है।

	• सामान्य तौर पर, आमतौर पर उपयोग की जाने वाली शर्बत सामग्री अक्सर पानी को शुद्ध करने के लिए आयन-विनिमय रणनीति के माध्यम से इन प्रदूषकों को फंसा लेती है लेकिन खराब कैनेटीक्स और विशिष्टता से ग्रस्त होती है। • इस समस्या को कम करने के लिए, वैज्ञानिको द्वारा एक नई इंजीनियरिंग सामग्री तैयार की जिसे वायोलोजन-यूनिट ग्राफ्टेड ऑर्गेनिक-फ्रेमवर्क (iVOFm) कहा जाता है। • सामग्री लक्षित प्रदूषकों के लिए नैनोमीटर-आकार के मैक्रोपोर्स और विशिष्ट बाध्यकारी साइटों के साथ संयुक्त इलेक्ट्रोस्टैटिक्स संचालित आयन-एक्सचेंज के समामेलन को नियोजित करती है। ▪ iVOFm के मजबूत इलेक्ट्रोस्टैटिक इंटरैक्शन के साथ ट्यून करने योग्य मैक्रोप्रोर्स का आकार और संख्या पानी से विभिन्न जहरीले प्रदूषकों को जल्दी से हटा सकती है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare